ISSN 2395-051X

भारत में पर्यटन उद्योग

डॉ. मदन मोहन चौकसे
प्राध्यापक
शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर (म.प्र.)

पर्यटन हमारे जीवन में सिर्फ खुशियों को वापिस लाने में ही मदद नहीं करता है, बल्कि यह किसी भी देश के सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कई देशों की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है। पर्यटन के क्षेत्र के महत्व को इसी बात से समझा जा सकता है कि दुनिया के करीब डेढ़ सौ देशों में विदेशी मुद्रा की कमाई करने वाले पाँच प्रमुख क्षेत्रों में पर्यटन भी एक है। पर्यटन क्षेत्र देश के शीर्ष सेवा उद्योगों में से एक है। पर्यटन के महत्व को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 1980 में 27 सितम्बर को विश्व पर्यटन दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया।

पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार तथा राजस्व प्राप्ति के आधार पर विकास की अपार संभावनायें है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत के विकास में पर्यटन क्षेत्र को महत्वपूर्ण क्षेत्र माना है। वर्ष 2015 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि इस क्षेत्र में शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में न केवल गरीबों को रोजगार मिलता है, बल्कि आभूषण तथा रेडीमेड कपड़ो के उद्योग के बाद देश के लिये विदेशी मुद्रा प्राप्त करने वाला यह सबसे बड़ा क्षेत्र है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म काउसिंल 2018 की रिपोर्ट के अनुसार पर्यटन के मामले में भारत का विश्व मे तीसरा स्थान है। बर्ष 2018 में पर्यटन उद्योग से भारत को 16.91 लाख करोड़ रूपये राजस्व की प्राप्ति हुई थी जो देश की कुल सकल आय का 9.2% था। 2018 में पर्यटन से देश में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से 42.67 लाख लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ जो कि देश के कुल रोजगार का 8.1% था। अनुमान किया गया है पर्यटन उद्योग में वार्षिक वृद्धि दर 6.9% रहेगी तथा 2029 तक आय 32.05 लाख करोड़ हो जायेगी, जो सकल घरेलू उत्पाद का 9.9% होगी। 2018-19 में 10.6 लाख विदेशी पर्यटक भारत आये जबकि 2017-18 में इनकी संख्या 10.4 लाख थी। विदेशी मुद्रा प्राप्ति 2017-18 में 28.7 अरब अमेरिकी डालर से घटकर 2018-19 में 27.7 अरब अमेरिकी डालर रह गई। 2016 में 21.87 मिलियन तथा 2017 में 23.94 मिलियन भारतीय नागरिकों ने भारत से विदेश के लिए प्रस्थान किया जो 9.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह भारत में आने वाले पर्यटकों की तुलना में दो गुने से अधिक है। विश्व पर्यटन में भारत में आगमन के कुल हिस्सा 1.24% भारत में पर्यटकों के पहुँचने का स्थान 35 वां तथा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन से प्राप्ति में हिस्सा 1.97% है।

भारत में 2014 से 2018 के बीच आये विदेशी पर्यटकों की संख्या को तालिका क्र. 1 में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका क्र. 1

विदेशों से भारत आये पर्यटक (मिलियन में)

वर्ष	संख्या
2014	7.68
2015	8.03
2016	8.80
2017	10.4
2018	10.6

स्त्रोत - पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की रिपोर्ट।

तालिका से स्पष्ट हे कि भारत में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है।

पर्यटन क्षेत्र रोजगार प्रदाय करने की दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है देश में पर्यटन उद्योग से प्राप्त प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रोजगार को तालिका क्रं. 2 में दर्शाया गया है।

तालिका क्र. 2

पर्यटन क्षेत्र में प्राप्त रोजगार (प्रतिशत में)

वर्ष	प्रत्यक्ष रोजगार	अप्रत्यक्ष रोजगार	कुल रोजगार
2014	5.19%	6.71%	11.9
2015	5.27%	6.82%	12.09
2016	5.40%	6.98%	12.38
2017	5.32%	6.87%	12.19
2018	5.40%	6.38%	11.78

स्त्रोत- पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की रिपोर्ट

पर्यटन उद्योग में रोजगार के क्षेत्र में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई देती है।

पर्यटन क्षेत्र से प्राप्त विदेशी मुद्रा अर्जन में भी निरंतर वृद्धि हो रही है वर्ष 2009 में आय 63700 करोड़ रूपये की थी जो 2014 में 19.7 यू.एस विलियन हो गई। विदेशी मुद्रा से प्राप्त आय को तालिका क्र. 3 में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका क्र. 3

पर्यटन उद्योग से विदेशी मुद्रा का अर्जन (यू.एस.विलियन डालर)

वर्ष	प्राप्त राशि
2014	19.7
2015	21.1

2016	22.92
2017	27.31
2018	28.60

स्त्रोत- पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट भारत सरकार

पर्यटन उद्योग से देश को विदेशी मुद्रा की प्राप्ति में निरंतर वृद्धि हो रही है। सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग के योगदान को तालिका क्रं 4 में दर्शाया गया है

तालिका क्र. 4

सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान (यू.एस. मिलियन)

वर्ष	राशि
2014	185.63
2015	201.43
2016	219.72
2017	232.01
2018	247.37
2019	512.0 अनुमानित

स्त्रोत - पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की रिपोर्ट

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् पर्यटन उद्योग का तेजी से विकास हुआ है, इससे न केवल विदेशी मुद्रा का अर्जन हो रहा है बल्कि रोजगार के अवसरों में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। देश में पर्यटन से निम्न क्षेत्रों में लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

1. टूर आपरेटर सेवायें - इस क्षेत्र में लोगों की पर्यटकों के भ्रमण हेतु चार्ट बनाने, रेल तथा हवाई टिकिटों का प्रबंधन, टूरिस्ट गाइड जैसे क्षेत्र में रोजगार मिलता है।
2. हस्तकला उद्योग - भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में हस्तकला उद्योग काफी प्राचीन है। इस क्षेत्र में तैयार वस्तुओं की घरों में सजावट तथा उपहार हेतु काफी माँग है। विदेशी पर्यटक हस्तकला की वस्तुओं को पसंद करते है चूंकि देश में पर्यटन उद्योग निरंतर बढ़ रहा है अतः इस क्षेत्र में रोजगार प्राप्ति के अधिक अवसर हैं।
3. वस्त्र निर्माण - वर्तमान दौर में पर्यटन और परिधान एक दूसरे के पूरक बन गये। देश के विभिन्न प्रदेशों के रंग विरंगे कपड़ो की न केवल स्थानीय माँग अधिक है, बल्कि विदेशी पर्यटकों के बीच भी ये वस्त्र काफी लोकप्रिय है। अतः ग्रामीण क्षेत्र तथा देश के सभी राज्यों के पारंपारिक वस्त्र निर्माण में अधिक लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगें।
4. होटल उद्योग - पर्यटन उद्योग में होटल उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है। इसके बिना पर्यटन उद्योग की कल्पना

संभव नहीं है। पाँच सितारा होटल, तीन सितारा होटल, में प्रबंधन, भोजनालय, सफाई कर्मी, सुरक्षा कर्मी को लाने ले जाने वाले लोगों को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध है।

5. परिवहन सेवायें - पर्यटकों के आवगमन के हेतु रेल, सड़क, वायुमार्ग, जल में यातायात के साधनों हेतु प्रशिक्षित कर्मचारियों की आवश्यकता होती हैं। इसमें चालक, परिचालक, एयर होस्टेज, पायलट, मेन्टीनेंस कार्यों सेवा, के क्षेत्र में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

पर्यटन उद्योग की चुनौतियाँ -

भारत सरकार द्वारा पर्यटकों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बावजूद भी पर्यटन उद्योग में कई चुनौतियाँ विद्यमान है, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं।

- बुनियादी ढाँचा का अभाव भारतीय पर्यटन के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। पर्यटन से जुड़ी आर्थिक, सामाजिक अवसंरचना, होटल, कनेक्टिविटी, मानव संसाधन स्वास्थ्य सुविधायें काफी हद तक भारत में पिछड़े होने की अवस्था में हैं।
- देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में फैली गंदगी एक बड़ी समस्या है। पश्चिमी देशों के पर्यटक सिर्फ इसलिये भारत आना पसंद नहीं करते क्योंकि यहाँ चारों तरफ गंदगी रहती है।
- विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा देश में बड़ी चुनौती है विदेशी नागरिकों विशेष रूप से विदेशी महिलाओं के साथ छेड़छाड़ तथा अन्य घटनायें भारत की छवि को धूमिल कर रही हैं 2017 में 130 देशों में हुए सर्वेक्षण में वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम सूचकांक में भारत को 114 वें स्थान पर रखा गया है।
- भारत को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत उजागर करने में वैसी सफलता नहीं मिली है जैसी पश्चिम देशों विशेषकर यूरोपीय देशों को मिली हैं।
- स्वास्थ्य, पर्यटन, योग, प्राकृतिक, चिकित्सा और साहसिक पर्यटन में निजी क्षेत्र के लोग अच्छी आमदनी प्राप्त कर रहें है। लेकिन राज्य सरकारें इनको एक सूत्र में बांधकर लाभ नहीं उठा पाई।
- देश में सड़क परिवहन, अभी भी सुरक्षित नहीं है। मसलन् पहाड़ी क्षेत्रों में आवागमन काफी दुष्कर है, ट्रैकिंग के लिए नये मार्ग नहीं बन पाये है, तथा सड़कों की दशा की कुछ राज्यों में ठीक नहीं है।

पर्यटन के विकास के लिये सरकारी प्रयास -

भारत की विशाल भौगोलिक संरचना समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, विशाल वन संपदा, सांस्कृतिक विविधता के कारण यहाँ पर्यटन क्षेत्र के विकास की पर्यटन अपार संभावनाऐं हैं। इसी कारण भारत सरकार ने पर्यटन के क्षेत्र के विकास हेतु कई योजनाओं को लागू किया है। इन प्रयासों को निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत देखा जा सकता है।

- देश में पर्यटन सर्किट के विकास हेतु "स्वदेश दर्शन योजना" विरासत स्थलों के विकास हेतु 'हृदय' योजना तथा धार्मिक पर्यटन स्थलों के विकास हेतु "प्रसाद योजना" लाई गई है।
- विदेशी पर्यटकों के आगमन को सरल बनाने हेतु सरकार ने 166 देशों के लिये ई वीजा व्यवस्था की शुरूआत की है। तथा ई वीजा शुल्क में कमी हेतु प्रस्ताव भी किया गया है।

- पर्यटन मंत्रालय विदेशियों को आकर्षित करने हेतु पूर्वोत्तर जैसे क्षेत्रों का इस प्रकार से विकास कर रहा है कि वे सुगम और सुरक्षित आकर्षक स्थल बन सकें।
- सरकार ने प्रमुख पर्यटन स्थलों के बुनियादी ढ़ाचों के विकास तथा रख रखाव पर भी बहुत ध्यान दिया।
- विदेशों में भारतीय धरोहरों को लोकप्रिय बनाने से लिये "द हेरिटेज ट्रेन" भारतीय को अपने देश के प्रति जागरूक करने के लिये "देखो अपना देश" नाम से पर्यटन पर्व अनुष्ठान, तथा राज्यों के विशेष स्थलों में पर्यटन समारोह "पर्यटन सभी के लिए" का आयोजन किया गया।
- सरकार ने अतुल्य भारत के नये पोर्टल का हिन्दी वर्जन भी लाँच किया। पर्यटन मंत्रालय द्वारा देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी "अतुल्य भारत" का ब्रांड एम्बेसडर भी बनाया गया है।
- केन्द्र सरकार में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के 50 पर्यटन स्थल विकसित करने की दिशा में पहल की है। विश्व स्तरीय सुविधायें विकसित करने के लिये दिल्ली के लाल किले को निजी क्षेत्र को लीज पर दिया जा रहा है।
- देश में रात्रिकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्कृति मंत्रालय ने देश भर में 10 ऐतिहासिक स्मारकों को आंगुतकों के लिये रात्रि 9 बजे तक खुला रखने का निर्णय लिया।
- गृह मंत्रालय ने कुल 137 चोटियों को विदेशी पर्यटकों को खोलने का निर्णय लिया है। जिनमें से 51 उत्तराखंड, 24 सिक्किम में, 47 हिमाचल प्रदेश में 15 जम्मू कश्मीर में हैं इन चोटियों में 7066 मीटर की ऊचाँई वाली इनागिरी और 8589 मीटर ऊँची कंचन जंगा भी शामिल है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जिन क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है उन क्षेत्रों में पर्यटन उद्योग भी शामिल है। भारत में विशिष्ट जैव विविधता, वन, नदियाँ, पहाड़ो, ऐतिहासिक स्थलों, मंदिरों और तीर्थ स्थलों गुफा, संग्रहालय, स्मारक और संस्कृति की मोजूदगी होने की वजह से पर्यटन उद्योग में उच्च बृद्धि हासिल करने की अपार क्षमता है इस क्षेत्र में जो चुनौतियाँ है उनका समाधान किया जाना चाहिये। विदेशियों के मन से देश की नकारात्मक छवि दूर करके "अतिथि देवो भव" की पुरानी परम्पराओं को पुनः कायम किया जाये।

संदर्भ गंथ सूची

1. भारत में पर्यटन उद्योग - डॉ. एन.एन. देशकर
2. भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय वार्षिक रिपोर्ट 2018
3. भारतीय अर्थव्यवस्था - मिश्र व पुरी
4. दैनिक भास्कर समाचार पत्र
5. dirshti-ias.com
6. www.web.dunia
7. www.web.patrika